



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

वित्तीय वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही/पहली छमाही की आय विश्लेषण

रिपोर्ट

7 नवंबर, 2025

प्रबंधन: श्रीमती परमिंदर चोपड़ा - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
श्री राजीव रंजन झा - निदेशक (परियोजना)
श्री मनोज शर्मा - निदेशक (वाणिज्यिक)
श्री संदीप कुमार - निदेशक (वित्त)

संचालक: श्री अभिजीत टिबरेवाल – मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विस
लिमिटेड।



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
7 नवंबर, 2025

मॉडरेटर: देवियों और सज्जनों, आपका दिन शुभ हो और मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विस लिमिटेड द्वारा आयोजित पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन की वित्तीय वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही की आय संबंधी चर्चा में आपका स्वागत है।

कृपया ध्यान दें कि सभी प्रतिभागियों की लाइनें केवल सुनने के मोड में रहेंगी और प्रस्तुति समाप्त होने के बाद आपको प्रश्न पूछने का अवसर मिलेगा। यदि आपको कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान सहायता की आवश्यकता हो, तो कृपया अपने टचटोन फोन पर “*” और फिर “0” दबाकर ऑपरेटर को संकेत दें। कृपया ध्यान दें कि यह कॉन्फ्रेंस रिकॉर्ड की जा रही है।

अब मैं सम्मेलन का संचालन मोतीलाल ओसवाल के अभिजीत टिबरेवाल को सौंपता हूँ। आपका स्वागत है महोदय।

अभिजीत टिबरेवाल: धन्यवाद, धनेश। आप सभी को नमस्कार। मैं अभिजीत टिबरेवाल, मोतीलाल ओसवाल से, और हमें आप सभी का इस अर्निंग्स कॉल में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन के वित्तीय वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के नतीजों पर चर्चा करने के लिए इस कॉल में शामिल होने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

कंपनी की आय पर चर्चा करने के लिए, मुझे पीएफसी की वरिष्ठ प्रबंधन टीम का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है, जिसमें श्रीमती परमिंदर चोपड़ा – अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक; श्री राजीव रंजन झा – निदेशक (परियोजना), श्री मनोज शर्मा – निदेशक (वाणिज्यिक), श्री संदीप कुमार – निदेशक (वित्त) शामिल हैं।

मोतीलाल ओसवाल की ओर से, हम पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन की वरिष्ठ प्रबंधन और निवेशक संबंध टीम को धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने आज हमें मेजबानी करने का यह मौका दिया।

अब मैं सीएमडी मैम को आमंत्रित करता हूँ, जिसके बाद हम इस कॉल में शामिल लोगों के सवालों के जवाब के लिए मंच खोलेंगे।



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
7 नवंबर, 2025

इसी के साथ, सीएमडी मैम, अब आपको संबोधित करेंगी।

परमिंदर चोपड़ा:

बहुत-बहुत धन्यवाद। सभी को नमस्कार, और आप सभी का बहुत-बहुत स्वागत है। हमने आज अपने ति.2 और छ.1 '26 के नतीजे घोषित कर दिए हैं।

मुझे आज सभी निवेशकों से जुड़कर पीएफसी के प्रदर्शन पर चर्चा करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

समेकित प्रदर्शन की बात करें तो, छ.1'26 के लिए, टैक्स के बाद समेकित लाभ 16,816 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 17% ज़्यादा है।

ग्रुप लोन एसेट बुक में साल-दर-साल आधार पर 10% की वृद्धि दर्ज की गई है और 30 सितंबर 2025 तक यह 11,43,370 करोड़ रुपए हो गई है।

परिसंपत्ति गुणवत्ता के मामले में, हम एनपीए स्तर में गिरावट का ट्रेंड देख रहे हैं। छ.1'26 के लिए समेकित सकल एनपीए स्तर 1.45% और निवल एनपीए 0.30% है।

अब, एकल प्रदर्शन की बात करते हैं। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि छ.1'26 में, हमारी लोन एसेट बुक में 14% की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके साथ, हमारी लोन एसेट बुक अब 5,61,210 करोड़ रुपए हो गई है। यह वृद्धि लगभग 86,000 करोड़ रुपए के मजबूत संवितरण की वजह से हुई है, जो पिछले छमाही से 30% ज़्यादा है।

कुल छ.1 संवितरण में से, लगभग 57% डिस्ट्रीब्यूशन सेगमेंट में थे और 30% जेनरेशन सेगमेंट में थे, जिसमें नवीकरणीय और परंपरागत उत्पादन परियोजनाएं दोनों शामिल हैं।

वित्तीय वर्ष 26 के लिए, हम अपने लोन बुक ग्रोथ गाइडेंस को 10%-11% पर बनाए हुए हैं।



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

7 नवंबर, 2025

लेंडिंग बिज़नेस के बारे में, मैं यह बताना चाहूंगी कि अपने कारोबार को बढ़ाने के उद्देश्य से, पीएफसी ने रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया की विशेष स्वीकृति से भूटान में अपना पहला क्रॉस-बॉर्डर वित्तीय समझौता किया है। यह 600 मेगावाट खोरलोछू हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट को फाइनेंस करने के लिए 4,800 करोड़ रुपए का समझौता हुआ है। लेंडिंग रुपए में होगी। यह प्रोजेक्ट भूटान सरकार के मालिकाना हक वाली ड्रक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड और टाटा पावर कंपनी के बीच एक स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप है, जिसमें क्रमशः 60% और 40% हिस्सेदारी है।

अब, मैं पीएफसी के वित्तीय प्रदर्शन की खास बातें साझा करना चाहूंगी:

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि छ.1'26 के लिए, हमने छ.1'25 के 8,088 करोड़ रुपए के मुकाबले 8,960 करोड़ रुपए का निवल लाभ दिया है। यह मुख्य रूप से निवल ब्याज आय में साल-दर-साल 23% की वृद्धि के कारण हुआ है। ति.2'26 के लिए निवल लाभ 4,462 करोड़ रुपए है।

शेयरधारकों के साथ अपनी सफलता शेयर करने की कोशिश जारी रखते हुए, बोर्ड ने प्रति शेयर 3.65 रुपए का अंतरिम लाभांश देने की घोषणा की है। इसके साथ, वित्तीय वर्ष'26 के लिए कुल अंतरिम लाभांश प्रति शेयर 7.35 रुपए हो गया है।

अब, हमारे मुख्य वित्तीय संकेतक की बात करते हैं:

छ.1'26 के लिए यील्ड 9.98% है। फंड की लागत 7.43% है।

स्प्रेड और एनआईएम क्रमशः 2.55% और 3.62% हमारी बताई गई सीमा के अंदर हैं।



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
7 नवंबर, 2025

हम तिमाही-दर-तिमाही सुखद सीआरएआर लेवल बनाए हुए हैं। 30 सितंबर 2025 तक, हमारा सीआरएआर 21.62% है और टियर 1 कैपिटल 19.89% है। सीआरएआर न्यूनतम रेगुलेटरी आवश्यकताओं से काफी ज़्यादा है।

अब, परिसंपत्ति गुणवत्ता की ओर बढ़ते हैं:

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि नेट एनपीए अनुपात पिछले 10 वर्षों में सबसे निचले स्तर पर है और 0.37% पर है। पिछले वित्तीय वर्ष में केएसके महानदी के समाधान के कारण, हमारे सकल एनपीए स्तर में 84 बीपीएस की गिरावट आई है, जो 2025 की पहली छमाही में 2.71% से घटकर 2026 की पहली छमाही में 1.87% हो गया है। इसके साथ ही, अब हमारा स्टेज-3 यानी एनपीए बुक 10,490 करोड़ रुपए पर है, जिसमें 80% का स्वस्थ प्रोविजनिंग कवरेज है।

परियोजना समाधान की स्थिति के संबंध में, मैं यह बताना चाहूंगी कि वर्तमान में हमारे पास तीसरे चरण में 10,490 करोड़ रुपए की 22 संकटग्रस्त परियोजनाएं हैं। इनमें से 8,470 करोड़ रुपए की 11 परियोजनाओं का समाधान एनसीएलटी के तहत किया जा रहा है, जिनमें से 2,600 करोड़ रुपए की छह परियोजनाएं परिशोधन के अधीन हैं, जिन पर 100% प्रावधान बनाए रखा गया है। शेष 2,015 करोड़ रुपए की 11 परियोजनाओं का समाधान एनसीएलटी के बाहर किया जा रहा है।

अब मैं प्रमुख संकटग्रस्त परिसंपत्तियों में से एक, सिन्नर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी साझा करना चाहूंगी, जिस पर 3,000 करोड़ रुपए का बकाया है। यह 1,350 मेगावाट का कोयला आधारित संयंत्र है। इस परियोजना का समाधान एनसीएलटी के तहत किया जा रहा



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

7 नवंबर, 2025

है और समाधान योजना एनसीएलटी की मंजूरी के लिए प्रस्तुत की जा चुकी है। वर्तमान में, इस परियोजना के लिए 80% प्रावधान बनाए रखा गया है।

अब, ऋण के पहलू पर आते हैं:

30 सितंबर 2025 तक, हमारा बकाया ऋण 4,74,430 करोड़ रुपए है। इसमें से लगभग 20% बकाया ऋण विदेशी मुद्रा में है। 30 सितंबर 2025 तक, बकाया विदेशी मुद्रा ऋण 10.4 अरब अमेरिकी डॉलर है, जिसमें से 68% अमेरिकी डॉलर, 19% जापानी जेपीवाई और 11% यूरो में है। हम विनिमय जोखिम के लिए कुल विदेशी मुद्रा पोर्टफोलियो पर 95% हेजिंग बनाए रखते हैं।

अब, मैं लाभ और हानि विवरण में विनिमय लाभ/हानि मद में होने वाले बदलावों पर चर्चा करना चाहूंगी:

2026 की पहली छमाही में, हमें अपने अनहेज्ड पोर्टफोलियो और डेरिवेटिव बुक के कुछ हिस्से पर लगभग 1,100 करोड़ रुपए का विनिमय घाटा हुआ है। यह घाटा मुख्य रूप से ईयूआर/यूएसडी विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के कारण हुआ है, जिसमें 2026 की पहली छमाही में ईयूआर, यूएसडी के मुकाबले लगभग 8% मजबूत हुआ है। इसके अलावा, विनिमय दर में सकारात्मक उतार-चढ़ाव होने पर, हमारे पास इन नुकसानों की भरपाई करने का अवसर होगा क्योंकि ऋणों की परिपक्वता अवधि लंबी है। साथ ही, पिछले कुछ दिनों से ईयूआर/यूएसडी में सकारात्मक उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

मैं यह बताना चाहूंगी कि हम मजबूत वित्तीय प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए अपने विदेशी मुद्रा जोखिम को सक्रिय रूप से प्रबंधित करने पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
7 नवंबर, 2025

इसके अलावा, विदेशी मुद्रा ऋण के मोर्चे पर, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 2026 की पहली छमाही में, हमने भारत के ऊर्जा परिवर्तन के लिए पीएफसी के समर्थन को और मजबूत करने के लिए दो महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। हमने असम में बांस आधारित बायो-इथेनॉल परियोजना को वित्त पोषित करने के लिए जेबीआईसी के साथ 60 अरब जापानी येन के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए।

हमने एक्सपोर्ट फाइनेंस ऑस्ट्रेलिया के साथ भी साझेदारी की, जिसके तहत स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 180 मिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाए गए। यह भारत में ईएसए की पहली वित्तपोषण पहल है। ये सहयोग वैश्विक वित्तपोषण स्रोतों में विविधता लाने और भारत की स्वच्छ ऊर्जा यात्रा को गति देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को उजागर करते हैं।

मैं इस बात पर प्रकाश डालना चाहूंगी कि पीएफसी भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की सबसे बड़ी वित्तीय संस्था बनी हुई है, जिसका 30 सितंबर 2025 तक नवीकरणीय ऊर्जा ऋण संग्रह 84,680 करोड़ रुपए है।

अब, समापन से पहले, मैं आरबीआई द्वारा जारी हालिया परिपत्रों के संबंध में कुछ अपडेट साझा करना चाहूंगी:

पहला निर्देश आरबीआई के परियोजना वित्तपोषण संबंधी दिशा-निर्देशों से संबंधित है, जो जून 2025 में जारी किए गए थे। ये दिशा-निर्देश 1 अक्टूबर 2025 से प्रभावी हैं और इस तिथि को या इसके बाद स्वीकृत होने वाले नए परियोजना ऋणों पर लागू होंगे। मौजूदा ऋणों पर पहले के नियम लागू रहेंगे, जब तक कि कोई नई ऋण घटना या शर्तों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन न हो, ऐसी स्थिति में नए दिशानिर्देश लागू होंगे। इन दिशा-निर्देशों के अनुसार, निर्माण चरण के दौरान 1% और व्याज एवं मूलधन के पुनर्भुगतान की शुरुआत के बाद परिचालन चरण के दौरान 0.40% का प्रावधान बनाए रखना आवश्यक है।



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
7 नवंबर, 2025

मैं यह बताना चाहूंगी कि पीएफसी औसतन अपने चरण-1 और चरण-2 परिसंपत्तियों पर लगभग 1.01% का प्रावधान बनाए रखता है। तदनुसार, वर्तमान प्रावधान स्तर वैधानिक आवश्यकता से अधिक हैं। इसके अलावा, प्रावधान के उद्देश्य से, हम अपेक्षित ऋण हानि मॉडल का पालन करते हैं। इसलिए, ईसीएल मॉडल के अतिरिक्त आरबीआई मानदंडों के तहत आवश्यक कोई भी अतिरिक्त प्रावधान हानि आरक्षित निधि के माध्यम से लाभ-हानि खाते को प्रभावित किए बिना बनाया जाएगा।

दूसरा अपडेट आरबीआई द्वारा 24 अक्टूबर 2025 को जारी किए गए मसौदा परिपत्र से संबंधित है, जिसमें गैर-सरकारी वित्तीय संस्थानों (एनबीएफसी) के अवसंरचना संबंधी निवेशों के लिए लागू जोखिम भार निर्धारित किए गए हैं। मसौदा परिपत्र में सीआरएआर गणना के लिए अवसंरचना परिसंपत्तियों पर जोखिम भार निर्धारित करने की पद्धति बताई गई है। यह परिपत्र अगले वित्तीय वर्ष, यानी 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा और बकाया ऋण पोर्टफोलियो पर लागू होगा। वर्तमान सरलीकृत ढांचे के विपरीत, यह मसौदा कम जोखिम भार के लिए पात्र उच्च-गुणवत्ता वाली अवसंरचना परिसंपत्तियों के रूप में परियोजनाओं को वर्गीकृत करने के लिए अधिक विस्तृत दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। वर्तमान ढांचे में, एक वर्ष से अधिक समय से वाणिज्यिक संचालन में मौजूद पात्र चालू अवसंरचना परियोजनाओं के लिए 50% जोखिम भार लागू है। हालांकि, मसौदा ढांचे में, जोखिम भार को अब 50% और 75% के दो खंडों में विभाजित किया गया है। यह विभाजन चुकाई गई राशि के प्रतिशत और अन्य विभिन्न शर्तों पर आधारित है, जो मौजूदा विनियमों में नहीं है।

मैं यह बताना चाहूंगी कि हमारी ऋण बुक में उत्पादन, पारेषण, वितरण और अन्य अवसंरचना क्षेत्रों से संबंधित परियोजनाएं शामिल हैं:

इसलिए, हम वर्तमान में विभिन्न विभागों पर इसके प्रभावों को समझने के लिए परिपत्र के मसौदे की विस्तार से समीक्षा कर रहे हैं।



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
7 नवंबर, 2025

हमेशा की तरह, जैसे ही हमें इस मामले में और स्पष्टता मिलेगी और भारतीय रिजर्व बैंक से इस संबंध में अंतिम दिशानिर्देश प्राप्त होंगे, हम अपने निवेशकों को सूचित करते रहेंगे।

इसी के साथ मैं अपनी बात समाप्त करना चाहूंगी। आज हमारे साथ जुड़ने के लिए एक बार फिर धन्यवाद। अब आप प्रश्न पूछ सकते हैं।

मॉडरेटर: बहुत-बहुत धन्यवाद महोदया। अब हम प्रश्नोत्तर सत्र शुरू करेंगे। पहला प्रश्न इक्विटी कैपिटल के श्रीपाल दोशी की ओर से है। कृपया पूछिए।

श्रीपाल दोशी: नमस्कार महोदया। मुझे यह अवसर देने के लिए धन्यवाद। मेरा पहला प्रश्न कालेश्वरम सिंचाई परियोजना से संबंधित है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि हमने इसका हिसाब-किताब कैसे रखा है? क्या इस परियोजना से संबंधित कोई बकाया राशि या अग्रिम भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है? और कुल बकाया राशि कितनी थी?

परमिंदर चोपड़ा: कालेश्वरम परियोजना से हमें अभी तक कोई अग्रिम भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है। हमारी देनदारी लगभग 26,000 करोड़ रुपए है।

श्रीपाल दोशी: ठीक है। तो महोदया, क्या इस निवेश से तीसरी तिमाही में कुछ अग्रिम भुगतान प्राप्त होंगे?

परमिंदर चोपड़ा: फिलहाल, नियमित रूप से भुगतान हो रहा है। लेकिन हमें ऋणकर्ता की ओर से इस पोर्टफोलियो के लिए समय से पहले भुगतान का कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है।

श्रीपाल दोशी: तो, हमारे लिए यह अभी भी चरण 2 में है, और हमारी सहायक कंपनी के विपरीत, हमें उनकी ओर से कोई अग्रिम भुगतान अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है?

परमिंदर चोपड़ा: जी हां, अभी तक तो नहीं हुआ है।



- श्रीपाल दोशी: समझ गया। समझ गया। और दूसरा सवाल नोट 6 में हमारी फाइलिंग के बारे में था, जिसमें हमने लगभग 262 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी के मामले को उजागर किया है। तो, यह मामला कितना बड़ा है, कृपया इस पर कुछ प्रकाश डालें?
- परमिंदर चोपड़ा: हां, मुझे लगता है कि पिछली तिमाही में हमने यह स्पष्ट कर दिया था कि यह मुख्य रूप से जेनसोल के साथ हमारे जुड़ाव के कारण था।
- श्रीपाल दोशी: ठीक है। समझ गया। समझ गया। स्पष्टीकरण के लिए धन्यवाद। और आखिरी सवाल तिमाही के लिए वृद्धिशील आय प्रतिफल से संबंधित था। तो, क्या हमने पहली तिमाही में हमारी मिश्रित आय प्रतिफल की तुलना में इसमें कुछ कमी देखी है, और दूसरी तिमाही में भी यह समान है, क्या हमने इसमें कुछ कमी देखी है, और यदि आप संख्या को स्पष्ट कर सकें तो यह मददगार होगा?
- परमिंदर चोपड़ा: मुझे लगता है कि आय प्रतिफल में मामूली गिरावट आई है और यह बाजार की ताकतों और हमारे सामने मौजूद प्रतिस्पर्धा के कारण हुई है; यह मामूली रूप से 10.01 से घटकर 9.98% हो गई है।
- श्रीपाल दोशी: ठीक है। समझ गया। मेरे प्रश्न का उत्तर देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं और प्रश्न पूछने के लिए कतार में लग जाता हूं।
- मॉडरेटर: हमारा अगला प्रश्न ट्रैवेस्ट कैपिटल के रघु की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछें।
- रघु: अवसर देने के लिए धन्यवाद, महोदया। मेरा प्रश्न कुल लेनदेन के संबंध में है, जिसमें विदेशी मुद्रा विनिमय (फॉरेक्स) में हुआ नुकसान भी शामिल है। इस तिमाही में यह लगभग 650 करोड़ रुपए रहा है और पिछली तिमाही में लगभग 500 करोड़ रुपए था। क्या आपको नहीं लगता कि यह लेनदेन हानि की राशि बहुत अधिक है? दो तिमाहियों में, 90,000 करोड़ रुपए के कुल



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

7 नवंबर, 2025

निवेश पर हमें लगभग 1100 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। तो, प्रश्न का पहला भाग यह है कि क्या हमें फॉरेक्स बाजार में अनुकूल सुधार होने पर कुछ राइट-बैक की उम्मीद करनी चाहिए? दूसरा यह है कि आपने पिछली कॉल में कहा था कि हरेक रुपए की गिरावट पर लगभग 250 करोड़ रुपए का घाटा होता है, लेकिन हम देखते हैं कि यह इससे काफी अधिक है। तो, क्या आप कृपया वर्तमान नुकसान और अगली दो तिमाहियों के लिए संभावित नुकसान का अनुमान बता सकती हैं?

परमिंदर चोपड़ा:

मौजूदा अनिश्चितता और डॉलर के कमजोर होने के कारण, हमने देखा है कि यूरो में काफी मजबूती आई है। इस छमाही में यूरो लगभग 8% मजबूत हुआ है। इसलिए, हमारी मुख्य उम्मीद यूरो के मजबूत होने की ही है। लेकिन मैं यह बताना चाहूंगी कि यूरो के मामले में, बहुपक्षीय ऋणों की परिपक्वता अवधि 4-5 साल से शुरू होकर 8-9 साल तक जाती है। ऐसे मामलों में, और निकट भविष्य में डॉलर के मजबूत होने के साथ, हम उम्मीद कर रहे हैं कि ये नुकसान तिमाही-दर-तिमाही धीरे-धीरे कम होते जाएंगे।

रघु:

ठीक है। तो, ऐसा नहीं है कि बुक का नुकसान हो गया है और उसकी भरपाई नहीं हो सकती? यानी, आने वाली कुछ तिमाहियों में, कुछ भरपाई होने की संभावना है?

परमिंदर चोपड़ा:

जी हाँ, बिल्कुल सही। एक बार जब रुपए की कीमत यूरो के मुकाबले बढ़ जाएगी, तो ये स्थिति उलट जाएगी।

रघु:

ज़रूर। मेरा दूसरा सवाल आपके किसी प्रतिस्पर्धी का नाम लेने के बारे में है, मैं फिर से क्षमा चाहूँगा। हमने खबरों में सुना है कि आईआरएफसी ने अब इंफ्रास्ट्रक्चर लेंडिंग में कदम रखा है और वे लगभग 120-130 बेसिस पॉइंट्स के स्प्रेड पर लोन दे रहे हैं। तो, क्या आपको इस विशेष सेगमेंट में हमारे लिए किसी प्रतिस्पर्धा और हमारे एनआईएम पर किसी तरह के दबाव की आशंका है?



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
7 नवंबर, 2025

परमिंदर चोपड़ा: देखिए, मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूँ कि विभिन्न मोर्चों पर प्रतिस्पर्धा है। पहले बैंकों से प्रतिस्पर्धा थी। अब आईआरएफसी और हुडको से प्रतिस्पर्धा है, और हमने देखा है कि नाबार्ड भी विद्युत क्षेत्र में कुछ परिसंपत्तियों के लिए वित्तपोषण कर रहा है, साथ ही नैबफ्रिड भी मौजूद है। इसलिए, बाजार में प्रतिस्पर्धा तो निश्चित रूप से है, लेकिन मैं यह कहना चाहूँगी कि हम सभी के लिए विकास के पर्याप्त अवसर हैं। तो हाँ, हमें देखना होगा कि हम कितने प्रतिस्पर्धी हो सकते हैं। लेकिन अभी तक, हमें उम्मीद है कि हम अपने लाभ और मार्जिन को बनाए रखने में सक्षम होंगे।

रघु: ठीक है। और क्या हमारे लिए ऋण संवितरण में वृद्धि को तेज करने का कोई अवसर है, अगर मान लीजिए कि बहुत अधिक अवसर हैं क्योंकि 10-11% कुछ हद तक बहुत कम लगता है, तो क्या कोई संभावना है कि हम इसे बढ़ाकर 14-15% कर सकें? मैं एक व्यापक दीर्घकालिक दृष्टिकोण की तलाश में हूँ।

परमिंदर चोपड़ा: मुझे लगता है कि नियमित भुगतान की बड़ी संख्या को देखते हुए, अगर हमें 10-11% की वृद्धि भी हासिल करनी है, तो हमें लगभग 2 लाख करोड़ रुपए का ऋण संवितरित करना होगा और पिछले वर्ष के 5,41,000 करोड़ रुपए के आधार पर वृद्धि करना भी एक बहुत बड़ी राशि है। हम ऋण देने के मामले में विवेकपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना चाहते हैं। इसीलिए हमने ऋण संग्रह में 10%-11% की वृद्धि का अनुमान लगाया है।

रघु: क्या आप आने वाले कुछ वर्षों में ऋण वृद्धि में कोई सुधार होने की संभावना देखती हैं?

परमिंदर चोपड़ा: जैसे-जैसे आपका ग्राहक आधार बढ़ता है, वैसे-वैसे संवितरण और पुनर्भुगतान पर दबाव भी बढ़ता जाता है, यह बात आप आसानी से समझ सकते हैं। औसतन, आज की तारीख में हमें हर



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
7 नवंबर, 2025

साल लगभग 85,000-90,000 करोड़ रुपए का पुनर्भुगतान करना पड़ता है। तो, यह एक बहुत बड़ी रकम है।

रघु: इस पुनर्भुगतान का स्वरूप क्या है, क्या आप कृपया स्पष्ट कर सकती हैं? हमें इतनी बड़ी राशि का भुगतान क्यों करना पड़ रहा है?

परमिंदर चोपड़ा: यह हमारे ऋण परिसंपत्तियों का नियमित पुनर्भुगतान है।

रघु: ठीक है। इसका मतलब है कि हमें हर बार एक नया ग्राहक ढूँढना होगा, यही मेरा सवाल है। क्या वही ग्राहक जिसे हम ऋण दे रहे हैं या पुनर्भुगतान प्रक्रिया का वास्तविक स्वरूप क्या है?

परमिंदर चोपड़ा: मूल रूप से, एक बार जब आप ऋण देते हैं, तो हम 15-20 वर्षों की अवधि के लिए और किस्तों में परिपक्वता अवधि के साथ ऋण देते हैं। इसलिए, ऋण स्थगन अवधि के बाद, हमें हर साल कुछ राशि वापस मिलती है। तो, यह सब नए ऋण परिसंपत्तियों पर निर्भर करता है जिन्हें वित्तपोषित किया जा रहा है। यह उसी ग्राहक के साथ हो सकता है या नए ग्राहकों के साथ भी हो सकता है।

रघु: महोदया, मेरा एक आखिरी सवाल है, इसमें कुछ जोड़ना चाहता हूँ। मान लीजिए हम किसी परियोजना को लगभग 10 साल या उससे ज़्यादा समय के लिए लोन दे रहे हैं, तो हमें दूसरे या तीसरे साल में पुनर्भुगतान क्यों मिल जाता है? ग्राहक सिर्फ ब्याज़ देता है और शायद बहुत कम रकम ही चुकाता है। लोन बुक का लगभग 20%, यह इतना ज़्यादा क्यों है?

परमिंदर चोपड़ा: हम प्रोजेक्ट फंडिंग कर रहे हैं। इसलिए, इसे प्रोजेक्ट के राजस्व ढाँचे के अनुरूप होना चाहिए। अन्यथा, हमारी परिसंपत्तियाँ जोखिम में पड़ जाएंगी। इसलिए, हमें प्रोजेक्ट के राजस्व के अनुरूप परिपक्वता अवधियों को अलग-अलग रखना होगा और इसी के आधार पर पुनर्भुगतान



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
7 नवंबर, 2025

संरचना तय की जा रही है। औसतन, यह पांच साल की है, लेकिन कुछ फंडिंग ऐसी हैं जो हमने 10 साल पहले की थीं और जिनका पुनर्भुगतान अभी भी जारी है। वर्तमान फंडिंग का पुनर्भुगतान शायद तीन से चार साल बाद शुरू हो सकता है। कुल मिलाकर, परिसंपत्ति का पुनर्भुगतान लगभग छह साल का है।

रघु: जी।

मॉडरेटर: अगला प्रश्न मैक्सिमल कैपिटल के सर्वेश गुप्ता का है। कृपया प्रश्न पूछें।

सर्वेश गुप्ता: नमस्कार महोदया, और अवसर देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। तो, पहला प्रश्न यह है कि हमारी इक्विटी पर प्रतिफल लगभग 20% है। मुझे लगता है कि कुछ तिमाहियों पहले हमारी वृद्धि दर काफी बेहतर थी, लेकिन अब यह घटकर 10% या 11% हो गई है। इस स्थिति को देखते हुए, अब हमारे बैलेंस शीट में अतिरिक्त इक्विटी है जिसका उपयोग उच्च लाभांश भुगतान अनुपात के लिए किया जा सकता है। क्या आपने इस बारे में सोचा है, क्योंकि अब वृद्धि दर 15% या 16% के आसपास नहीं रहेगी, बल्कि लगभग 10% होगी, जो हमारे द्वारा अर्जित किए जा रहे अतिरिक्त लाभ का आधा है?

परमिंदर चोपड़ा: देखिए, हम जो लाभ कमा रहे हैं, उस पर हम कर पश्चात लाभ का लगभग 30% लाभांश के रूप में दे रहे हैं। इसलिए, एक एनबीएफसी के लिए, मुझे लगता है कि विकास के लिए हमें अपने संचित लाभ में लाभ जोड़ना होगा, क्योंकि हमें पूंजी पर्याप्तता बनाए रखनी होती है, जो अनिवार्य पूंजी पर्याप्तता आवश्यकता लगभग 15% है। जैसा कि मैंने पहले ही कहा, उच्च आधार के साथ हमें लगभग 2 लाख संवितरित करने होंगे, या आप कह सकते हैं कि यदि 540,000 करोड़ रुपए हैं, तो 54,000 करोड़ रुपए वह अतिरिक्त परिसंपत्ति है जिसे हमें दर्ज करना होगा। 54,000 करोड़ रुपए पर आप आसानी से गणना कर सकते हैं कि पर्याप्त पूंजी पर्याप्तता बनाए



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
7 नवंबर, 2025

रखने के लिए मुझे कितनी पूंजी की आवश्यकता है। इसलिए, निवेशकों की पूंजी पर रिटर्न और कंपनी के विकास के बीच संतुलन बनाए रखते हुए, मुझे लगता है कि हम लाभांश वितरित कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में हम 10%-11% की वृद्धि बनाए रखने में सक्षम होंगे।

सर्वेश गुप्ता:

और दूसरा सवाल, महोदया? दरअसल, जैसा कि आप और आपकी सहायक कंपनी दोनों नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण की ओर बढ़ रहे हैं, वहां मुझे लगता है कि ऋण अवधि कम है और परिसंपत्तियां जल्दी चालू हो रही हैं, जिसके कारण बैंक हस्तांतरण या कुछ और प्रक्रिया चल रही है, जिससे पूर्वभुगतान दर बढ़ गया है। तो, मेरा मतलब है, क्या हम आगे चलकर अपने ऋण समझौते में कुछ ऐसी शर्तें जोड़ सकते हैं जिससे पूर्वभुगतान कम हो सके? क्योंकि आंकड़ों के अनुसार, ऋण बही की वृद्धि में गिरावट का मुख्य कारण ऋण वितरण नहीं है, जो वास्तव में काफी अच्छी वृद्धि कर रहे हैं, बल्कि यह है कि पूर्वभुगतान वितरण वृद्धि तेज गति से बढ़ रही है। तो, क्या पूर्वभुगतान को रोकने के कुछ तरीके हैं?

परमिंदर चोपड़ा:

देखिए, मैं आपसे सहमत हूँ कि हम अपने ऋण संग्रह में अग्रिम भुगतान को रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं, लेकिन नियम और शर्तें बाजार की अपेक्षाओं के अनुरूप होनी चाहिए। यदि किसी ऋणकर्ता को किसी अन्य ऋणकर्ता से बेहतर नियम और शर्तें मिल रही हैं, तो वे उस ऋणदाता को चुनना चाहेंगे। इसलिए, आजकल ऋणकर्ता बहुत सोच-समझकर निर्णय लेते हैं, वे ब्याज दर और नियम व शर्तों पर बातचीत करना चाहते हैं। और हम, एक ऋणकर्ता के रूप में, यदि बैंकों से बात करते हैं, तो हम भी इसी दिशा में बातचीत करते हैं। इसलिए, हमें बाजार की स्थितियों और अपने ग्राहकों की अपेक्षाओं को ध्यान में रखना होगा।

सर्वेश गुप्ता:

ठीक है। धन्यवाद महोदया, और आपको शुभकामनाएं।



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

7 नवंबर, 2025

- मॉडरेटर: हमारा अगला प्रश्न सुंदरम म्यूचुअल फंड के सूरज दास की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछें।
- सूरज दास: नमस्कार, अवसर देने के लिए धन्यवाद महोदया। मुझे लगता है कि मैं थोड़ी देर से शामिल हुआ। अगर यह प्रश्न थोड़ा दोहराव वाला लगे तो क्षमा करें। महोदया, कुछ समाचार लेखों में यह खबर आ रही है कि नवीकरणीय ऊर्जा के कुछ शायद 40-45 गीगावाट के टेंडर रद्द किए जा सकते हैं,। तो क्या इस बारे में आपकी कोई राय है और क्या इसका नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की वृद्धि पर कोई प्रभाव पड़ेगा?
- परमिंदर चोपड़ा: जी हां, एसईसीआई, एनटीपीसी और एनएचपीसी आदि द्वारा किए गए कुछ आवंटनों को रद्द करने के बारे में एक समाचार लेख आया था। लेकिन यह उन मामलों से संबंधित था जहां डिस्कॉम के साथ पीपीए पर हस्ताक्षर नहीं हो पाए थे। इसलिए, अगर मैं सटीक रूप से कहूं तो, अभी हम पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि हमारे सभी वित्तपोषण के लिए पीपीए पहले से ही तय हैं। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि इससे हमारे मौजूदा स्वीकृत फंडों पर कोई असर पड़ेगा।
- सूरज दास: जी। तो, असल में हम बिना हस्ताक्षर वाले पीपीए के प्रति बहुत कम जोखिम में हैं, मतलब, बिना किसी पीपीए जोखिम के, है ना?
- परमिंदर चोपड़ा: इसलिए, सामान्य तौर पर जहां भी पीपीए की परिकल्पना की जाती है, पीएफसी की ओर से उन पीपीए का होना पूर्व-संवितरण शर्त होती है और उसके बाद ही हम संवितरण शुरू करते हैं।
- सूरज दास: ठीक है, समझ गया। और महोदया, पिछली बार की तरह कुछ समाचार लेखों में कहा गया था कि डिस्कॉम को राहत या कुछ ऐसा ही पैकेज मिलेगा। मुझे लगता है कि पिछली बार भी, 2016-17 में उदय के दौरान, त्वरित अग्रिम भुगतान हुआ था। तो, इस बार, अगर ऐसा होता



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
7 नवंबर, 2025

है, तो आपकी तरफ से क्या आकलन है, इस संबंध में आपका त्वरित अग्रिम भुगतान क्या हो सकता है?

परमिंदर चोपड़ा: देखिए, दूरसंचार कंपनियों की व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए मंत्रियों की एक समिति गठित की गई है और वे विभिन्न उपायों पर काम कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की है। रिपोर्ट पर स्पष्टता आने के बाद ही हम इस पर कोई टिप्पणी कर पाएंगे।

मॉडरेटर: हमारा अगला प्रश्न कुशाग्र गोयल की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछें।

कुशाग्र गोयल: धन्यवाद महोदया, प्रश्न का उत्तर देने के लिए धन्यवाद। सबसे पहले, पिछले प्रतिभागी के डिस्कॉम सेगमेंट से संबंधित प्रश्न को आगे बढ़ाते हुए, अगर हम किसी बिल या सरकारी कार्रवाई को छोड़ भी दें, तो भी मैं यह समझना चाहता हूँ कि आगे चलकर डिस्कॉम सेगमेंट की वृद्धि कैसी रहेगी? मुझे समझ में आया कि आरबीपीएफ के तहत हमें अधिक संवितरण और फिर अधिक पुनर्भुगतान देखने को मिलेंगे। लेकिन अब जब एलआईएस या एलपीएस का पुनर्भुगतान शुरू हो जाएगा, तो इस सेगमेंट की वृद्धि किस प्रकार होगी? मैं यही समझना चाहता था।

परमिंदर चोपड़ा: भारत सरकार संबंधित राज्य सरकारों के साथ मिलकर देशभर में वितरण नेटवर्क को मजबूत करने के लिए काम कर रही है। मेरा मानना है कि विद्युत की बढ़ती मांग को देखते हुए इसे और मजबूत करने की आवश्यकता है। जैसा कि आप जानते ही हैं, आरडीएसएस योजना पहले से ही चल रही है और कुछ पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) राज्य सरकारों द्वारा किया जा चुका है। इसलिए, हम उम्मीद करते हैं कि आगे भी वितरण कंपनियों द्वारा अपने नेटवर्क को मजबूत करने के लिए पूंजीगत व्यय किया जाएगा। एलआईएस और एलपीएस योजनाओं के बारे में मैं सहमत हूँ कि ये एक बार की योजनाएं थीं। एलआईएस कोविड संकट के समय दिया गया एक राहत पैकेज था और एलपीएस विद्युत क्षेत्र की मूल्य शृंखला में कुछ तरलता लाने के लिए था, लेकिन आगे चलकर हम वितरण क्षेत्र में अधिक से अधिक पूंजीगत व्यय देखेंगे।



कुशाग्र गोयल: ठीक है, समझ गया। दूसरा सवाल मार्जिन के बारे में था। तो, मैं यह समझना चाहता था कि, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की हिस्सेदारी बढ़ने से क्या हमारे मार्जिन पर नकारात्मक दबाव पड़ेगा? और दूसरा, रेपो दर में बदलाव से हमारे मार्जिन पर क्या असर पड़ता है? कृपया इस बारे में और विस्तार से बताएं।

परमिंदर चोपड़ा: रेपो दर में बदलाव का सीधा असर शायद उतना न दिखे, लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से बाजार की बेंचमार्क दरों पर इसका प्रभाव पड़ता है। पिछले साल जब हमने बॉन्ड के जरिए फंड जुटाया था, तब यील्ड 7.38% से घटकर इस साल 6.7% हो गई थी। यह बाजार में रेपो दर में कटौती का नतीजा था। आगे भी, अगर रेपो दर में कटौती होती है और लिक्विडिटी बढ़ती है, तो पीएफसी की ऋण लेने की लागत में कमी आ सकती है। अंततः, ऋण लेने की लागत में कमी से स्प्रेड में अस्थायी सुधार हो सकता है, लेकिन कुल मिलाकर, हमारा मानना है कि चूंकि हम इसका लाभ अपने ऋणकर्ताओं को भी देंगे, इसलिए यह एक सीमित दायरे में ही रहेगा।

कुशाग्र गोयल: ठीक है। क्या नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ रही है?

परमिंदर चोपड़ा: मुझे नहीं लगता कि नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में वृद्धि से हमारे मार्जिन और स्प्रेड पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि वर्तमान में प्रतिस्पर्धा के कारण, पारेषण, वितरण, ऋण और अन्य पारंपरिक उत्पादन ऋण भी बहुत प्रतिस्पर्धी दर पर हैं।

कुशाग्र गोयल: समझ गया। धन्यवाद।

मॉडरेटर: धन्यवाद महोदय। हमारा अगला प्रश्न विश्वई इन्वेस्टमेंट्स के रोहित देशमुख की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछें।

रोहित देशमुख: महोदय, मैं बस यह पूछना चाहता हूं कि छ.1 की तुलना में छ.2 वित्तीय वर्ष 26 के लिए आप ऋण वृद्धि या वितरण के क्या लक्ष्य निर्धारित कर रही हैं?



- परमिंदर चोपड़ा: देखिए, हमने वित्तीय वर्ष 2026 के लिए जो अनुमान लगाया है, उसके अनुसार हमारी वृद्धि दर 10% से 11% के बीच रहने की उम्मीद है।
- रोहित देशमुख: ठीक है। तो, इसके अंतर्गत, ऊर्जा उत्पादन, मेरा मतलब है, तापीय ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, पारेषण और वितरण का अपेक्षित मिश्रण क्या होगा?
- परमिंदर चोपड़ा: इस स्तर पर यह कहना बहुत मुश्किल है कि भविष्य में स्थिति कैसी होगी। चूंकि हम एक विशिष्ट क्षेत्र की वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) हैं, इसलिए हमारे पास कई स्वीकृतियां हैं, और जैसे-जैसे परियोजना थोड़ी परिपक्व होगी और ऋण संवितरण शुरू होगा, वास्तविक स्थिति उसी पर निर्भर करेगी।
- रोहित देशमुख: ठीक है। मेरी ओर से बस इतना ही। धन्यवाद, महोदया।
- मॉडरेटर: धन्यवाद महोदया। हमारा अगला प्रश्न मैक्वेरी के पुनीत बहलानी की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछिए।
- पुनीत बहलानी: जी हाँ, नमस्कार महोदया। मेरे प्रश्न का उत्तर देने के लिए धन्यवाद। सबसे पहले, कालेश्वरम परियोजना के संबंध में, हमें कोई पुनर्भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है, जबकि आरईसी को प्राप्त हो चुका है। तो, मुझे इसे किस रूप में समझना चाहिए, क्योंकि हम जानते हैं कि परियोजना से संबंधित कई मुद्दे हैं, इसलिए अग्रिम भुगतान प्राप्त होना अच्छा होता। और इसी प्रश्न को आगे बढ़ाते हुए, मान लीजिए कि हमें उसी परियोजना के संबंध में तीसरी और चौथी तिमाही में अग्रिम भुगतान प्राप्त हो गया है, तो क्या हम अभी भी 10%-11% की वृद्धि का अनुमान बनाए रखेंगे, क्या हम इसे ध्यान में रखेंगे? इसके अलावा, दूसरे प्रश्न के संबंध में, यूरो-यूएसडी बुक में, हमारी बुक का कितना प्रतिशत यूरो-यूएसडी बुक से जुड़ा है? आपने बताया कि बुक का लगभग 5% हिस्सा अनहेज्ड है। तो, उसका कितना अनुपात यूरो-यूएसडी बुक से जुड़ा है?



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
7 नवंबर, 2025

- परमिंदर चोपड़ा: यूरो में निवेश की बात करें तो, कुल बुक में से लगभग 11% यूरो में जारी नोट हैं। यह तो स्पष्ट है। कालेश्वरम परियोजना के बारे में दूसरे प्रश्न पर, हमें कुछ समाचार मिले हैं जिनमें परियोजना से संबंधित कुछ समस्याओं की बात कही गई है। लेकिन इस परियोजना के तहत हमें सरकार की गारंटी और बजट सहायता प्राप्त है, और वित्तपोषण, अन्य बातों के अलावा, राज्य सरकार की सुरक्षा पर आधारित था। इसलिए, हमें पीएफसी को ऋण चुकाने में कोई जोखिम नहीं दिखता। जैसा कि आपने पूछा, यदि कुछ भुगतान आता है, तो हम देखेंगे कि हम उसकी भरपाई कैसे करेंगे। लेकिन हमें उम्मीद है कि हम लगभग 10%-11% की वृद्धि दर बनाए रखने में सक्षम होंगे।
- पुनीत बहलानी: समझ गया। अब, आपने कहा कि 11% यूरो में है, है ना? क्या यह पूरी तरह से हेज्ड है या यहाँ क्या व्यवस्था है?
- परमिंदर चोपड़ा: केवल 5% ही अनहेज्ड है।
- पुनीत बहलानी: बिना हेजिंग वाला पूरा हिस्सा मूल रूप से यूरो में ही है?
- परमिंदर चोपड़ा: हां, मुख्य रूप से यह यूरो में मूल्यांकित है और इस पर कोई हेजिंग नहीं की गई है।
- मॉडरेटर: हमारा अगला प्रश्न नोमुरा की श्रेया शिवानी की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछें।
- श्रेया शिवानी: जी हाँ, नमस्कार। अवसर देने के लिए धन्यवाद। अच्छे नतीजों के लिए बधाई। मेरे तीन प्रश्न हैं। पहला प्रश्न छ.1 की संस्वीकृत राशि से संबंधित है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए वार्षिक आधार पर स्वीकृत राशि लगभग 2.8 लाख करोड़ से 3.6 लाख करोड़ रुपए है। क्या आप हमें बता सकती हैं कि पहली छमाही में स्वीकृत राशि का रुझान कैसा रहा है? मेरा दूसरा प्रश्न पुनर्भुगतान से संबंधित है। उत्पादन निधि में पुनर्भुगतान दर काफी अधिक है। मैं जानना चाहता



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

7 नवंबर, 2025

था कि क्या कुछ बड़ी परियोजनाओं या कंपनियों ने अग्रिम भुगतान किया है या इस निधि में कुछ और हुआ है? और मेरा अंतिम प्रश्न उस विषय से संबंधित है जिस पर हमने आपसे चर्चा की थी कि नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के बढ़ते चलन के साथ हमारे देश में पीपीए के विभिन्न प्रारूपों को शुरू करने की आवश्यकता है। क्या उस चर्चा में कोई प्रगति हुई है या क्या हमें विद्युत मंत्रालय से पीपीए के हस्ताक्षर न होने और नवीकरणीय परियोजनाओं के लिए पीपीए की लंबी अवधि आदि की समस्या के समाधान के संबंध में कोई जानकारी मिली है? ये मेरे तीन प्रश्न हैं।

परमिंदर चोपड़ा: पहली छमाही के दौरान संस्वीकृतियों के संबंध में, विभिन्न क्षेत्रों के अंतर्गत लगभग 1,52,000 करोड़ रुपए की संस्वीकृतियाँ हैं। और आपका अगला प्रश्न पीएफसी को प्राप्त अग्रिम भुगतानों के बारे में था।

श्रेया शिवानी: विशेष रूप से उत्पादन बही में? हाँ।

परमिंदर चोपड़ा: मेरे पास अभी सटीक आंकड़ा नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि दो प्रमुख परियोजनाएँ थीं, और अगर मैं सही हूँ तो लगभग 10,000 करोड़ रुपए का अग्रिम भुगतान विद्युत उत्पादन परियोजना के लिए किया गया था।

श्रेया शिवानी: ठीक है, दो परियोजनाएँ जिनका कुल मूल्य 10,000 करोड़ रुपए है?

परमिंदर चोपड़ा: हाँ।

श्रेया शिवानी: ठीक है।

मॉडरेटर: हमारा अगला प्रश्न व्यक्तिगत निवेशक अंकित मेहता की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछें।

अंकित मेहता: मुझे प्रश्न पूछने का अवसर देने के लिए धन्यवाद। मैंने कुछ रिपोर्टें देखी हैं जो प्रति शेयर बुक वैल्यू से संबंधित हैं। मैंने देखा है कि प्रति शेयर आय लगभग 60 या 75 होने के बावजूद, 2023



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
7 नवंबर, 2025

से प्रति शेयर बुक वैल्यू घट रही है। 2023 में प्रति शेयर बुक वैल्यू लगभग 424 थी, 2024 में घटकर 406 हो गई और 2025 में यह लगभग 356 के आसपास है। तो, लगभग 75 रुपए की अच्छी प्रति शेयर आय होने के बावजूद प्रति शेयर बुक वैल्यू में गिरावट का कारण क्या है?

परमिंदर चोपड़ा: मुझे लगता है, अगर आपको सही याद हो, तो हमने दो बार बोनस शेयर जारी किए हैं। एक बार हमने 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी किए थे, और दूसरी बार 4:1 के अनुपात में। यही बुक वैल्यू में कमी का कारण हो सकता है।

अंकित मेहता: ठीक है आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

मॉडरेटर: हमारा अगला प्रश्न ट्रेस्ट कैपिटल के रघु की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछें।

रघु: एक बार फिर अवसर देने के लिए धन्यवाद। बस एक छोटा सा सुझाव है। क्योंकि पिछले व्यक्ति ने एक प्रश्न पूछा था कि हमारी इक्विटी पर रिटर्न लगभग 20% है और लोन बुक 10% से 11% है। तो, हमारा मार्जिन लगभग 10% है, और मान लीजिए कि हम कंपनी की नीति के अनुसार 30% लाभांश के रूप में देते हैं, तब भी हमारे पास लगभग 6% या 6.5% बचता है। तो क्या आपके पास बायबैक या इसी तरह की कोई योजना है? क्योंकि हम देख रहे हैं कि हमारे शेयर बहुत ही सस्ते मूल्य लगभग बुक वैल्यू के बराबर पर बिक रहे हैं। और केंद्र सरकार की ओर से एक नियम में बदलाव हुआ है, जिसके अनुसार महारत कंपनियों को बायबैक के लिए बोर्ड की मंजूरी के अलावा किसी और से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं है, अगर शेयर की कीमत बुक वैल्यू के करीब यानी 1.2 गुना कम हो। तो क्या बोर्ड इस बारे में विचार कर रहा है?

परमिंदर चोपड़ा: फिलहाल ऐसी कोई योजना नहीं है।

रघु: ठीक है। कृपया इस बात पर विचार करें कि क्या ऐसा कोई विकल्प उपलब्ध है।

परमिंदर चोपड़ा: ठीक है।



रघु: धन्यवाद।

मॉडरेटर: हमारा अगला प्रश्न बीटी कैपिटल के निखिल कुमार अग्रवाल की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछें।

निखिल कुमार अग्रवाल: नमस्कार। मुझे खेद है अगर यह पहले स्पष्ट हो चुका है, लेकिन मैं 241 करोड़ रुपए के अतिरिक्त प्रावधानों के पीछे का कारण जानना चाहता हूँ। मैं समझता हूँ कि इसका कोई सामान्य संबंध सामान्य नहीं है...

मॉडरेटर: मुझे खेद है कि मैं आपको बीच में रोक रहा हूँ, श्री अग्रवाल, लेकिन आपकी आवाज स्पष्ट नहीं है, गूँज रही है।

निखिल कुमार अग्रवाल: मेरा सवाल प्रावधानों के बारे में है। अगर इस पर पहले ही स्पष्टीकरण दिया जा चुका है तो क्षमा करें, लेकिन मैं तिमाही के दौरान 241 करोड़ रुपए के अतिरिक्त प्रावधानों के पीछे का कारण समझना चाहता हूँ। मुझे पता है कि कोई नया धोखाधड़ी का मामला नहीं है। अक्टूबर में आरबीआई को जेनसोल के धोखाधड़ी मामले की सूचना दी गई थी, और इसके लिए चौथी तिमाही में पहले ही प्रावधान किया जा चुका है। तो, यह 241 करोड़ रुपए किससे संबंधित है?

परमिंदर चोपड़ा: यह तिमाही के दौरान हुए नए भुगतानों के कारण मानक परिसंपत्तियों में हुई वृद्धि है।

निखिल कुमार अग्रवाल: तो क्या इसका संबंध निर्माण परियोजनाओं और उस पर मिलने वाले 1% ब्याज से है?

परमिंदर चोपड़ा: 1% की कटौती अभी तक लागू नहीं की गई है, क्योंकि ये संस्वीकृतियाँ 1 अक्टूबर से पहले की थीं। इसलिए, हम ईसीएल पर 0.40% बनाए रख रहे हैं। और इसके लिए, चूंकि हमने तिमाही के दौरान लगभग 80,000 करोड़ रुपए का संवितरण किया है, यह उसी के कारण अतिरिक्त प्रावधान है।



निखिल कुमार अग्रवाल: समझ गया। महोदया, क्या आप दूसरी छमाही में अपेक्षित प्रावधान वापसी पर भी कुछ टिप्पणी कर सकती हैं? और यदि प्रावधान वापसी में कोई देरी होती है, तो क्या हम मानक प्रावधानों की मौजूदा दर को जारी रखने की उम्मीद कर सकते हैं?

परमिंदर चोपड़ा: देखिए, जैसा कि हमने पहले बताया, सिन्नर के लिए भी हमने एनसीएलटी में समाधान योजना को मंजूरी दे दी है। कुछ अन्य परिसंपत्तियां भी हैं जिन पर समाधान की प्रक्रिया उन्नत चरण में है। अगर हमें इसमें कुछ राहत मिलती है, तो निश्चित रूप से कुछ बदलाव देखने को मिलेगा।

निखिल कुमार अग्रवाल: ठीक है। और अगर कोई राइट-बैक नहीं है, तो मानक प्रोविज़न रन रेट क्या 200 से अधिक होगा?

परमिंदर चोपड़ा: यह सब ऋण संवितरण में होने वाली वृद्धि या ऋण बही में होने वाली वृद्धि पर निर्भर करता है।

निखिल कुमार अग्रवाल: ठीक है। क्या आप इस बारे में कोई संख्या बता सकते हैं, या यह अनुमान लगा सकते हैं कि इसका क्या परिणाम होगा?

परमिंदर चोपड़ा: यह कहना बहुत मुश्किल होगा कि सामान्य पुनर्भुगतान या अग्रिम भुगतान कितना है और हम चरणबद्ध तरीके से कितनी राशि संवितरित करने जा रहे हैं। इसलिए, इसका परिणाम इन्हीं आंकड़ों पर निर्भर करेगा।

निखिल कुमार अग्रवाल: समझ गया। मेरा आखिरी सवाल विकास दर से संबंधित है, जिसकी हमने 13.75% रिपोर्ट की है, लेकिन हमारा अनुमान 10 से 11% है। तो, क्या यह इसलिए है क्योंकि हम दूसरी छमाही में अधिक अग्रिम भुगतान की उम्मीद कर रहे हैं या हम 12.5% या 13% से अधिक की उम्मीद कर सकते हैं?



परमिंदर चोपड़ा: माफ़ कीजिए?

निखिल कुमार अग्रवाल: मैं कह रहा हूँ कि दूसरी तिमाही में 13.75% की वृद्धि हुई है, लेकिन पूरे साल के लिए हमारी वृद्धि का अनुमान 10% से 11% है। क्या इसका कारण यह है कि आपको दूसरी छमाही में अधिक अग्रिम भुगतान की उम्मीद है?

परमिंदर चोपड़ा: देखिए, यह 14% है, 13.5% वार्षिक आधार पर है। तो, यह चालू वित्तीय वर्ष के लिए नहीं है। इसलिए, चालू वित्तीय वर्ष के लिए, हमने 10% से 11% की गाइडेंस (अनुमान/मार्गदर्शन) दी है।

निखिल कुमार अग्रवाल: ठीक है। धन्यवाद। आपको शुभकामनाएँ।

परमिंदर चोपड़ा: मुझे लगता है कि कोई तकनीकी समस्या है। इसलिए, कृपया आज के लिए कॉल समाप्त करें। आप सभी के जुड़ने के लिए धन्यवाद।

मॉडरेटर: जी हाँ, महोदया। देवियों और सज्जनों, मोतीलाल ओसवाल और पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन की ओर से, यह सम्मेलन यहीं समाप्त होता है। हमारे साथ जुड़ने के लिए धन्यवाद और अब आप अपनी लाइनें डिस्कनेक्ट कर सकते हैं।